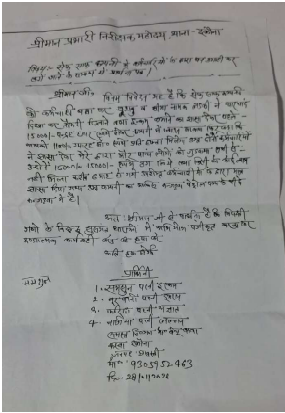


सेफ शॉप कंपनी के नाम पर नौकरी दिलाने का झांसा, लाखों की ठगी का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। सेफ शॉप कंपनी है कि दोनों महिलाओं द्वारा के कर्मचारियों द्वारा नौकरी दिलाने के नाम पर धन उगाही किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित द्वारा दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि सेफ शॉप कंपनी में कार्यरत बताने वाली खुशबू एवं सीमा नामक दो महिलाओं ने नौकरी दिलाने के बहाने झांसा देकर पैसे वसूले। प्रार्थना पत्र के अनुसार आरोपित महिलाओं ने पहले नौकरी दिलाने के नाम पर ६15,000 की मांग की, यह भी कहा गया कि कंपनी से जिसे पीड़ित ने विश्वास में हर सप्ताह ६1,100 की आय आकर दे दिया। इसके बाद कंपनी में जॉइनिंग करवाने के इन्हीं कर्मचारियों के झांसे में नाम पर ६1,100 फीस के रूप आकर उसके अलावा करीब पांच में अलग से लिया गया। आरोप अन्य लोगों को भी कंपनी से



उच्च शिक्षण संस्थानों में ‘इक्विटी कमेटी’ पर विरोध अनुचित: मायावती

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश की उच्च शिक्षण संस्थाओं में जातिगत



भेदभाव के निराकरण हेतु बनाए गए नियमों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा सरकारी कॉलेजों एवं निजी विश्वविद्यालयों में ‘इक्विटी कमेटी’ (समता समिति) गठित करने के प्रावधान का विरोध

किया जाना उचित नहीं है। मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि कुछ लोग इन प्रावधानों को

जोड़ा गया, जिनसे ६15,000 से लेकर ६15,000 तक की रकम वसूल की गई। लेकिन छह महीने बीत जाने के बावजूद किसी भी व्यक्ति को कोई लाभ नहीं मिला और लगातार केवल आश्वासन देकर टालमटोल की जा रही है। प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि सेफ शॉप कंपनी का कार्यालय कंजरव पेट्रोल पंप के पीछे स्थित बताया गया है। पीड़ित ने संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि उक्त फर्जी कर्मचारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी और के साथ इस प्रकार की ठगी न हो। मामले को लेकर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और पीड़ितों को न्याय की उम्मीद है।

विश्वास में लिया जाता, तो यह अधिक बेहतर होता और देश में किसी प्रकार के सामाजिक तनाव की स्थिति भी उत्पन्न नहीं होती। इस दिशा में सरकारों एवं संबंधित संस्थानों को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। अपने बयान में मायावती ने दलितों एवं पिछड़े वर्गों से भी अपील की कि वे अपने स्वार्थ और विकास की आड़ में भड़काऊ बयान देने वाले नेताओं के बहकावे में न आएं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग हमेशा इन वर्गों को आगे रखकर घिनौनी राजनीति करते रहे हैं, इसलिए समाज के लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। बसपा प्रमुख ने स्पष्ट किया कि सामाजिक न्याय, समानता और आपसी सौहार्द बनाए रखना देशहित में है और इसी उद्देश्य से नीतियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

घर से बिछड़ा अबोध बालक पुलिस की तत्परता से कुछ ही घंटों में परिजनों से मिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती। थाना गिलौला क्षेत्र में घर से बिछड़े एक अबोध बालक को पुलिस की सतर्कता



एवं त्वरित कार्रवाई से कुछ ही घंटों में सकुशल उसके परिजनों से मिला दिया गया। यह सफलता पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में

थानाध्यक्ष गिलौला आशीष कुमार के नेतृत्व में प्राप्त हुई। दिनांक 28 जनवरी 2026 को थाना गिलौला की मिशन शक्ति टीम क्षेत्र में भ्रमण पर थी। इसी दौरान कस्बा गिलौला के स्थानीय नागरिकों द्वारा सूचना दी गई कि लगभग 05 वर्षीय एक अबोध बालक बाजार क्षेत्र में अकेला भटकता हुआ दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति टीम तत्काल मौके पर पहुंची और

पश्चात पुलिस टीम द्वारा बालक की फोटो आसपास के लोगों को दिखाते हुए तथा स्थानीय व्हाट्सएप ग्रुपों में प्रसारित की गई, जिसके परिणामस्वरूप शीघ्र ही उसके परिजनों की पहचान हो सकी। परिजनों ने बताया कि उक्त बालक अपने भाई-बहनों के साथ कस्बा गिलौला स्थित कृष्ण लली सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय आया था। विद्यालय की छुट्टी के बाद उसके भाई-बहन घर चले गए, जबकि बालक उनसे बिछड़कर भटकते हुए बाजार क्षेत्र में पहुंच गया। पुलिस टीम द्वारा परिजनों को सूचना देकर बालक को सकुशल उनके सुपुर्द किया गया। अपने पुत्र को सुरक्षित पाकर परिजन अत्यंत प्रसन्न हुए और थाना गिलौला पुलिस व मिशन शक्ति टीम का हृदय से आभार व्यक्त किया।

सिसवा नगर पालिका में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन, सामाजिक एकता और देशभक्ति का दिवा संगम

दैनिक बुद्ध का संदेश। सिसवा बाजार/महाराजगंज। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद सिसवा बाजार में देशभक्ति, सामाजिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला। नगर पालिका परिसर सहित पूरे नगर में उल्लास और उत्साह का वातावरण बना रहा। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष शकुंतला

जायसवाल ने विधिवत राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी और गणतंत्र दिवस समारोह का शुभारंभ किया। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन हुआ, जिससे वातावरण राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत हो गया। कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के लोगों की सहभागिता ने सामाजिक एकता और भाईचारे का सशक्त संदेश दिया। उपस्थित नागरिकों ने संविधान

की गरिमा, लोकतंत्र की मजबूती और सामाजिक जिम्मेदारियों पर अपने विचार व्यक्त किए। अपने संबोधन में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि गिरजेश जायसवाल ने कहा कि गणतंत्र दिवस हमें समानता, न्याय और बंधुत्व के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका द्वारा स्वच्छता अभियान, पेयजल व्यवस्था, सड़क निर्माण, प्रकाश व्यवस्था तथा जनसुविधाओं के विस्तार



के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही आने वाले समय में नगर को और अधिक सुव्यवस्थित व सुंदर बनाने की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में नगर के प्रबुद्धजनों और सामाजिक प्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। प्रमुख रूप से गोविंद सोनी एडवोकेट, उमाशंकर जायसवाल एडवोकेट, भगवंत प्रसाद, सभासद प्रमोद जायसवाल, अभिमन्यु चौरसिया,

जितेंद्र वर्मा, बाबूलाल अग्रवाल, मुर्तुजा अली, मुन्ना गोंड, सत्यनारायण चौहान, शिव सोनी, रामेश्वर जायसवाल सहित बड़ी संख्या में सम्मानित नागरिक, व्यापारी वर्ग एवं नगरवासी शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया। समारोह के दौरान सामाजिक सौहार्द, आपसी सहयोग और नागरिक कर्तव्यों पर विशेष जोर दिया गया। वक्ताओं ने कहा कि

विविधता में एकता ही भारत की सबसे बड़ी ताकत है और इसे मजबूत बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। कार्यक्रम का समापन मिष्ठान वितरण एवं परस्पर शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के साथ हुआ। यह आयोजन न केवल राष्ट्रीय पर्व का उत्सव रहा, बल्कि सामाजिक एकजुटता और लोकतांत्रिक चेतना को सुदृढ़ करने का प्रेरणादायी उदाहरण भी बना।

सेट एम.आर. जयपुरिया स्कूल में नए सत्र का प्रवेश प्रारंभ, बसंत पंचमी से 31 जनवरी तक मात्र 500 रुपये में आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश बस्ती। सेट एम.आर. जयपुरिया स्कूल बस्ती में नए शैक्षणिक सत्र के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। विद्यालय प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार नए सत्र में नामांकन बसंत पंचमी से लेकर 31 जनवरी तक किया जा रहा है, जिसमें प्रवेश आवेदन शुल्क मात्र 500 रुपये रखा गया है। सीमित शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की यह पहल अभिभावकों के बीच खासा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। सेट एम.आर. जयपुरिया स्कूल देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक समूहों में शुमार है। यदि देशभर में इसकी शाखाओं की बात की जाए तो वर्तमान में 61 से अधिक जयपुरिया स्कूल विभिन्न राज्यों में संचालित हो रहे हैं। यह आंकड़ा स्वयं में इस शैक्षणिक समूह की विश्वसनीयता, गुणवत्ता और अभिभावकों के भरोसे को

दर्शाता है। बस्ती स्थित सेट एम.आर. जयपुरिया स्कूल भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने प्रवेश प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि सेट एम.आर. जयपुरिया स्कूल में शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में करीब 45 से अधिक एक्टिविटीज को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है, जिससे बच्चों की छिपी प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें निखारने का अवसर मिलता है। प्रधानाचार्य ने बताया कि स्कूल में नृत्य, संगीत, योग, खेलकूद, कला एवं शिल्प, व्यक्तित्व विकास, पब्लिक स्पीकिंग, लाइफ स्किल्स,



टीमवर्क जैसी गतिविधियों को नियमित रूप से कराया जाता है। इन सभी गतिविधियों का उद्देश्य छात्रों में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच का विकास करना है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल अकादमिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है, बल्कि छात्रों का शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से सशक्त होना भी बेहद जरूरी है। उन्होंने आगे कहा कि

विद्यालय में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों का उपयोग किया जाता है। स्मार्ट क्लास, गतिविधि आधारित शिक्षण, प्रोजेक्ट वर्क और इंटरएक्टिव लर्निंग के माध्यम से पढ़ाई को रोचक और प्रभावी बनाया जाता है। इससे छात्रों में विषयों के प्रति रुचि बढ़ती है और वे पढ़ाई को बोझ नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया रूप में अपनाते हैं। प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने यह भी बताया कि विद्यालय का वातावरण पूरी तरह अनुशासित, सुरक्षित और बच्चों के अनुकूल है। यहां अनुमति और प्रशिक्षित शिक्षकों की टीम कार्यरत है, जो प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत ध्यान देती है। कमजोर छात्रों के लिए विशेष मार्गदर्शन और अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था भी की जाती है, ताकि कोई भी छात्र पीछे न रह जाए।

अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विद्यालय प्रबंधन द्वारा प्रवेश प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया गया है। सीमित शुल्क में प्रवेश आवेदन की यह योजना खासतौर पर उन अभिभावकों के लिए लाभकारी है, जो अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य देना चाहते हैं। सेट एम.आर. जयपुरिया स्कूल बस्ती में प्रवेश को लेकर अभिभावकों में उत्साह देखा जा रहा है। विद्यालय प्रबंधन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि के भीतर विद्यालय से संपर्क कर प्रवेश संबंधी जानकारी प्राप्त करें और अपने बच्चों का नामांकन सुनिश्चित कराएं। शिक्षा के साथ संस्कार और सर्वांगीण विकास के संकल्प के साथ सेट एम. आर. जयपुरिया स्कूल बस्ती क्षेत्र में शिक्षा की नई मिसाल पेश कर रहा है।

दक्षिण एशिया में लोकतंत्र की समस्या समाधान पर होगा बौद्धिक विमर्श

दैनिक बुद्ध का संदेश सिद्धार्थनगर। भारतीय वैश्विक परिषद के सहयोग से बुद्ध विद्या पीठ पी जी कॉलेज, सिद्धार्थनगर के राजनीति विज्ञान विभाग के द्वारा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजक प्रोफेसर शक्ति जायसवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम चंद्रावती नर्सिंग कॉलेज, गोरखपुर रोड, सिद्धार्थनगर पर आयोजित होगा। जिसमें दिनांक 30 जनवरी, प्रातः 11:00 बजे उद्घाटन सत्र में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ रवि रमेश चंद शुक्ला मुख्य वक्ता रहेंगे। इसके साथ ही विदेश मामलों के जानकारी रक्षा विशेषज्ञ डॉ संजीव श्रीवास्तव, कमर आगा (बीबीसी), एवं भारतीय वैश्विक परिषद के शोध अध्येता डॉक्टर पुनीत गौड़



के बौद्धिक वक्तव्य प्राप्त होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमान सुरजीत जी भाई साहब रहेंगे। दिनांक 31 जनवरी, दिन शनिवार को समापन सत्र में अपराह्न 2:30 बजे भारत के पूर्व राजदूत जीके त्रिपाठी, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के रक्षा एवं स्ट्रैटेजिक विभाग के प्रोफेसर हर्ष कुमार सिन्हा, प्रोफेसर विनोद कुमार सिंह, के साथ ही प्रोफेसर हरि शरण पूर्व प्रति

कुलपति गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी जी अपना वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। प्रोफेसर शक्ति जायसवाल ने बताया की उक्त राष्ट्रीय संगोष्ठी में दक्षिण एशिया के देशों विशेषकर बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और अफगानिस्तान में मौजूदा राजनीतिक शासन व्यवस्था में लोकतंत्र पर आने वाले चुनौती एवं संकट पर बौद्धिक विमर्श किया जाएगा। गौरतलब है कि आज तक पाकिस्तान में किसी भी लोकतांत्रिक सरकार ने 5 वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। वर्ष 2025 में नेपाल में जेन-जी आंदोलन और बांग्लादेश में शेख हसीना के बाद का संक्रमण कालीन दौर पूरे दक्षिण एशिया में लोकतंत्र के लिए एक चुनौती का वातावरण बनाया हुआ है।

बहराइच के युवक का औरंगाबाद में रेलवे ट्रैक के पास मिला शव, जवान बेटे का शव देखते ही मां-बाप हुए बेसुध

दैनिक बुद्ध का संदेश बहराइच। जनपद बहराइच के फखरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रसूलपुर पैदामिन पुरवा निवासी अफरोज पुत्र नईम (उम्र लगभग 30 वर्ष) की महाराष्ट्र के औरंगाबाद में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। अफरोज औरंगाबाद में एक होटल में खाना बनाने का काम करता था और रविवार को अपने घर लौटने के लिए निकला था। इसी दौरान औरंगाबाद में रेलवे ट्रैक के पास उसका शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक के पास मिली एक परची पर लिखे मोबाइल नंबर के जरिए औरंगाबाद पुलिस



पिता नईम गांव के अन्य लोगों के साथ औरंगाबाद पहुंचे, जहां अस्पताल में अपने जवान बेटे का शव देखकर वह फूट-फूटकर रो पड़े। सोमवार को औरंगाबाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई

पूरी कर शव पिता नईम के सुपुर्द कर दिया। इसके बाद मंगलवार देर शाम एंड्रुलेस से शव को लेकर परिजन फखरपुर थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव पहुंचे। गांव में अफरोज का शव पहुंचते ही चीख-पुकार मच गई। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। शव देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामीणों ने परिजनों को दांडस बंधाने का प्रयास किया, लेकिन बेटे की मौत से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल बना हुआ है। फिलहाल मौत के कारणों को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं, वहीं परिजन मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

दैनिक बुद्ध का संदेश बहराइच। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रमपुरवा के अधीक्षक डॉ अभिषेक अग्निहोत्री ने क्षेत्र के दैनिक



भास्कर डिजिटल शिवाजी अवस्थी, हिंदुस्तान से अरविंद पाठक,अमर उजाला से राकेश मौर्या व दैनिक जागरण से कुलदीप अवस्थी को उपहार भेंटकर सम्मानित किया। तेजवापुर सीएचसी अधीक्षक डॉ अभिषेक अग्निहोत्री ने बताया कि उत्कृष्ट पत्रकारिता पर कलमकारों को सम्मानित किया गया है। इस मौके पर डा. अविनाश सिंह,बीसीपीएम रोहित वर्मा, फार्मासिस्ट पंकज श्रीवास्तव समेत अन्य मौजूद रहें।

सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत

जौनपुर। नगर के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के पंचहटिया के पास एक बाइक सवार ड्रिवाइडर से टकरा गया परिणाम स्वरूप उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। केराकत थाना क्षेत्र के उदयचंदपुर गांव निवासी अनुराग यादव सोमवार की देर रात किसी जरूरी कार्य से अपनी बाइक से जौनपुर शहर के तरफ जा रहा था। अनुराग जैसे ही जौनपुर— आजमगढ़ हाईवे पर पहुंचा तभी पंचहटिया पुराने पोस्टमार्टम हाउस के पास ड्रिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि अनुराग यादव गंभीर रूप से घायल हो गया। लोगों की सूचना पर मौके पर पुलिस चौकी चौकियां की पुलिस आ गयी। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल भिजवाया जहां चिकित्सकों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देते हुए शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इंडक्शन चूल्हे में करंट से छात्रा की मौत

जौनपुर। मछलीशहर में हादसे हादसे के दौरान इंडक्शन चूल्हे पर खाना बनाते समय करंट की चपेट में आने से छात्रा की मौत हो गई। इंटर कॉलेज में कक्षा 9 की छात्रा खुशबू पटेल (निवासी अहमदपुर) सोमवार की रात अपने घर पर इंडक्शन चूल्हे पर खाना बना रही थी। इसी दौरान अचानक चूल्हे में करंट आ गया और वह उसकी चपेट में आ गई। परिजन जब तक कुछ समझ पाते, तब तक खुशबू की हालत गंभीर हो चुकी थी। आनन-फानन में उपचार का प्रयास किया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। विद्यालय परिवार ने दिवंगत छात्रा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दो मिनट का मौन रखा और ईश्वर से उसकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की। शोकसभा के उपरांत विद्यालय को बंद कर दिया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया सिद्धार्थ नगर महोत्सव का शुभारम्भ

1052 करोड़ से होगा 229 परियोजनाओं का कार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश



सिद्धार्थनगर। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री उ०प्र० योगी आदित्यनाथ द्वारा फीता काटकर एवं द्वीप प्रज्वलित कर सिद्धार्थनगर महोत्सव- 2026 का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ मंत्री श्रमसेवायोजन एवं समन्वय विभाग उ०प्र० सरकार/जनपद प्रमारी मंत्री अनिल राजभर, सांसद दुमरियागंज जगदम्बिका पाल, नेता प्रतिपक्ष/विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक दुमरियागंज सैय्यदा खातून, सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष जिला पंचायत शीतल सिंह, पूर्व विधायक इटवा डा० सतीश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व विधायक दुमरियागंज राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश सिंह तथा पुलिस महानिरीक्षक संजीव त्यागी द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत

ियों को बधाई दिया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की आकस्मिक मृत्यु पर उनको श्रद्धांजलि दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह जनपद राजकुमार सिद्धार्थ के नाम पर सिद्धार्थनगर बना। कपिलवस्तु उनकी राजधानी थी। सत्य व ज्ञान की खोज मंत्री श्रमसेवायोजन एवं समन्वय विभाग उ०प्र० सरकार/जनपद प्रमारी मंत्री अनिल राजभर, सांसद दुमरियागंज जगदम्बिका पाल, नेता प्रतिपक्ष/विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक दुमरियागंज सैय्यदा खातून, सदस्य विधान परिषद ध्रुव कुमार त्रिपाठी, अध्यक्ष जिला पंचायत शीतल सिंह, पूर्व विधायक इटवा डा० सतीश चन्द्र द्विवेदी, पूर्व विधायक दुमरियागंज राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आयुक्त बस्ती मण्डल अखिलेश सिंह तथा पुलिस महानिरीक्षक संजीव त्यागी द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत

मिल रहा है। मनरेगा में पहले 100 दिन का रोजगार की गारन्टी थी अब 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा। रोजगार नहीं मिलने पर मुआबजा उपलब्ध कराया जायेगा। मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के

योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों को दिया जा रहा है। किसानों द्वारा दो फसल के बाद तीसरे फसल का उत्पादन किया जा रहा है। उपद्रव से उत्सव की ओर यह प्रदेश अग्रसारित है। उसको बनाये रखना है। मुख्यमंत्री द्वारा सिद्धार्थनगर

बनने के बाद जनपद की पहचान काला नमक चावल, हाइवे से हो रही है। प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री है जो एक जनपद एक उत्पाद के माध्यम से पहचान दिलाने का काम किया है। जनपद में बाढ़ आने पर मुख्यमंत्री लखनऊ में न रहकर

हुआ है। पूरे जनपदवासियों की ओर मुख्यमंत्री का स्वागत अभिनन्दन किया। नेता प्रतिपक्ष/विधायक इटवा माता प्रसाद पाण्डेय द्वारा मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि जनपद में उद्योग स्थापित कर लोगों को स्थानीय स्तर पर

रही है। जनपद का कालानमक चावल ओडीओपी में शामिल किया जिसकी खुशबू पूरे देश में फैल रही है। मुख्यमंत्री द्वारा आज 229 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया है। अयोध्या में राम मन्दिर का निर्माण कराया गया है। जहां

श्रीराम का मन्दिर तथा आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती श्री अखिलेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक संजीव त्यागी, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा भगवान गौतम बुद्ध का प्रतीकात्मक अस्थि कलश भेंट किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त अध्यक्ष



किया गया। इसके पश्चात बेसिक शिक्षा विभाग की शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा स्वागत गीत, शिवपति इन्टर कालेज की छात्राओं द्वारा कपिलवस्तु गीत प्रस्तुत किया गया। सिद्धार्थनगर महोत्सव- 2026 उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री उ०प्र० योगी आदित्यनाथ ने मैत्री का सन्देश देने वाले महात्मा गौतम बुद्ध की पावन धरा को नमन करते हुए जनपदवासियों एवं जनप्रतिनिधि

बजट उपलब्ध कराया जाता है। मानव जीवन मिला है, एक दूसरे के साथ मिलकर रहे तथा एक सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जनपद के लोगों के इलाज के लिए मेडिकल कालेज का निर्माण कराया गया। नर्सिंग कालेज का संचालन हो रहा है। मेडिकल छात्रावास व आडीटोरियम निर्माण के लिए शिलान्यास किया गया है। हर पात्र गरीब व्यक्ति को आवास, राशन, आयुष्मान कार्ड, का लाभ

माध्यम से मछली उत्पादन को बढ़ावा देने का कार्य किया जा रहा है। महोत्सव के आयोजन से पहले स्थानीय कलाकारों की प्रतिस्पर्धा, ग्राम पंचायत, न्याय पंचायत, विकास खण्ड एवं तहसील स्तर पर आयोजित हो। उच्छे कलाकारों को जनपद स्तर पर प्रतिभाग कराकर उनको सम्मानित किया जाये। सड़क पुल, सिंचाई, मेडिकल छात्रावास व अन्य योजनाओं का लाभ प्राप्त हो रहा है। निरन्तर सभी

महोत्सव के भव्य आयोजन हेतु जिला प्रशासन एवं आयोजन समिति को हृदय से बधाई दी। सांसद दुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने सिद्धार्थनगर महोत्सव में आने के लिए मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया। सांसद दुमरियागंज ने कहा कि बारिश होने के बाद भी मुख्यमंत्री महोत्सव में उपस्थित हुए। इसके लिए आभार प्रकट किया। 2017 से पहले जनपद की पहचान बाढ़ से थी। 2017 के बाद सरकार

जनपद में पहुँचकर नाव के माध्यम से गांवों में पहुँचने का कार्य किया। जापानी इसेफलाटिस से मुक्त कराने का काम किया गया। अयोध्या, मथुरा, काशी बौद्ध सर्किट का विकास कार्य कराकर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है। प्रधानमंत्री का ससंकल्प है देश को आत्मनिर्भर बनाना। अब हमारा देश उपभोक्ता नहीं निर्याता है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में कानून व्यवस्था मजबूत हुआ है। उ०प्र० माफिया मुक्त

रोजगार दिलाये जाने को कहा गया। जनपद में आने के लिए मुख्यमंत्री का पुनः स्वागत किया गया। विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही ने मुख्यमंत्री उ०प्र० योगी आदित्यनाथ का सिद्धार्थनगर महोत्सव-2026 के उद्घाटन के अवसर पर समय देने के लिए स्वागत किया। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद में मेडिकल कालेज की स्थापना की गयी। जिससे जनपद के लोगों को चिकित्सा सुविधा मिल

पर पूरे विश्व के लोग दर्शन करने आ रहे हैं। 04 सेतु का निर्माण कार्य हो रहा है। विधायक जी द्वारा 01 सेतु निर्माण के साथ बाईपास निर्माण की मांग की गयी। आज मुख्यमंत्री 1052 करोड़ के लागत की 229 परियोजनाओं का उद्घाटन/शिलान्यास किया गया। मुख्यमंत्री द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई तथा शिशुओं को अन्न प्राप्त कराया गया। मुख्यमंत्री को जनप्रतिनिधिगण द्वारा भगवान

कोआपरेटिव बैंक श्री विक्रम सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सिद्धार्थनगर गोविन्द माधव, उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग महेश शुक्ला, आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती अखिलेश सिंह, पुलिस महानिरीक्षक संजीव त्यागी, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., पुलिस अधीक्षक डा० अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, तथा अन्य जनपद स्तरीय अधिकारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू को क्यों नहीं मिली जगह, डायरेक्टर अनुराग सिंह ने तोड़ी चुप्पी



धमाल 4 की रिलीज डेट में बदलाव, 12 जून नहीं अब इस दिन देगी सिनेमाघरों में दस्तक

मोस्ट अवेटेड कॉमेडी फ्रेंचाइजी धमाल की चौथी किस्त धमाल 4 को लेकर दर्शकों में उत्सुकता चरम पर है। हालांकि, निर्देशक इंद्र कुमार की इस फिल्म की रिलीज डेट में एक बार फिर बदलाव



हुआ है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए घोषणा की कि फिल्म अब 12 जून को रिलीज नहीं होगी। मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए लिखा, जब अराजकता कॉमेडी से मिलती है, तो समझ लीजिए कि यह धमाल का समय है! नई तारीख शुभ और फेमिली एंटरटेनर के लिए बेस्ट है। 3 जुलाई को फिल्म अल्टीमेट फेमिली एंटरटेनर के रूप में दर्शकों के सामने आने के लिए तैयार है। यह रिलीज डेट में दूसरी बार बदलाव है। इससे पहले फिल्म 12 जून को रिलीज होने वाली थी और उससे पहले ईद के मौके पर आने वाली थी। मेकर्स ने कुछ वजहों से तारीख बदली, हालांकि वजहों का खुलासा नहीं किया गया। माना जा रहा है कि संभावित बॉक्स ऑफिस क्लेश से बचने के लिए यह फैसला लिया गया है। धमाल 4 में अजय देवगन लीड रोल में हैं। उनके साथ संजय मिश्रा, ईशा गुप्ता, संजीदा शेख, अंजलि आनंद, उपेंद्र लियेय, विजय पटकर और रवि किशन जैसे शानदार एक्टर्स अहम किरदार में नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी के पुराने सितारे जैसे रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी भी इसमें शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन इंद्र कुमार ने किया है। इसे टी-सीरीज, देवगन फिल्म्स, मारुति इंटरनेशनल और पैनोरमा स्टूडियोज के बैनर तले बनाया गया है। प्रोड्यूसर्स में अजय देवगन, भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, अशोक ठकेरिया, इंद्र कुमार, आनंद पंडित और कुमार मंगत पाठक शामिल हैं। धमाल फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म साल 2007 में हुई थी, जिसमें संजय दत्त, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और जावेद जाफरी मुख्य भूमिका में थे। इंद्र कुमार ने ही इसे डायरेक्ट किया था। इसके बाद साल 2011 में डबल धमाल और 2019 में टोटल धमाल रिलीज हुई, जो हिट साबित हुईं। धमाल 4 इस सीरीज की नई किस्त है, जो पुरानी मस्ती और नए दिवस्ट के साथ दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। फिल्म का ट्रेलर और पोस्टर जल्द रिलीज होने की उम्मीद है।

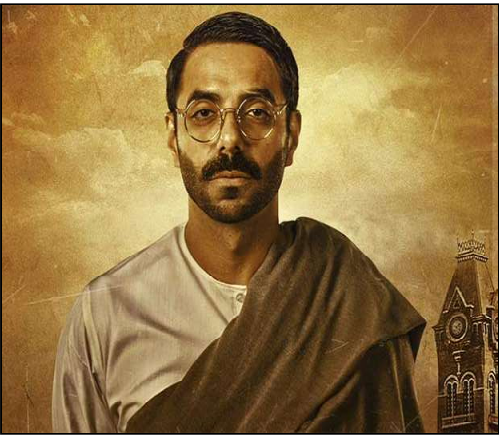
फिल्मों के सीक्वल को लेकर दर्शकों की उम्मीदें हमेशा बहुत ज्यादा होती हैं। खासकर जब बात 1997 की सुपरहिट फिल्म बॉर्डर की हो, तो सनी देओल, जैकी श्रॉफ और तब्बू जैसे कलाकारों ने उस फिल्म को खास बनाया था, लेकिन बॉर्डर 2 में जैकी श्रॉफ और तब्बू की कमी दर्शकों ने महसूस की। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट्स के जरिए दोनों को फिल्म में शामिल न करने को लेकर कई सवाल किए। अब इन सभी सवालों का जवाब फिल्म निर्देशक अनुराग सिंह ने आईएनएस से बात करते हुए दिया। बॉर्डर 2 के निर्देशक अनुराग सिंह ने कहा, किसी भी फिल्म की कास्टिंग भावनाओं या पुराने जुड़ाव के आधार पर नहीं, बल्कि कहानी की जरूरत के अनुसार होती है। फिल्म बनाते वक्त सबसे पहले कहानी पर ध्यान दिया जाता है, न कि इस बात पर कि किस अभिनेता को दोबारा लिया जाए। कहानी जिस तरह के किरदार मांगती है, कलाकारों का चयन उसी हिसाब से किया जाता है। अनुराग सिंह ने कहा, कोई भी निर्देशक यह सोचकर स्क्रिप्ट नहीं लिखता कि उसे किसी खास अभिनेता को ही लेना है। पहले एक ऐसी कहानी लिखी जाती है जो सच्ची लगे और दिल को छुए। उसके बाद यह सोचा जाता है कि उस किरदार को कौन सा कलाकार अच्छे से निभा पाएगा। कई बार ऐसा भी होता है कि किरदार लिखते समय किसी अभिनेता का चेहरा अपने आप दिमाग में आ जाता है, लेकिन यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया होती है, दबाव में लिया गया फैसला नहीं है।

सनी देओल को लेकर अनुराग सिंह ने कहा, बॉर्डर फ्रेंचाइजी को अगर किसी चेहरे से सबसे ज्यादा पहचाना जाता है, तो वह सनी देओल हैं। बॉर्डर नाम आते ही दर्शकों के मन में सनी देओल की छवि उभर आती है। इसलिए अगर बॉर्डर बनाई जा रही है, तो उसमें सनी देओल का होना जरूरी है। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि सनी देओल और निर्देशक जेपी दत्ता की पहचान बन चुकी है।

अनुराग सिंह ने कहा, रचनात्मकता पर जोर डालकर किसी अभिनेता को कहानी में फिट नहीं किया जा सकता। कुछ फिल्मों में यह संभव हो सकता है, लेकिन बॉर्डर 2 जैसी गंभीर और भावनात्मक फिल्म में ऐसा करना सही नहीं होता। अगर कहानी किसी और दिशा में जा रही है, तो कलाकारों का चयन भी उसी रास्ते पर चलता। निर्देशक ने कहा, पूरी स्क्रिप्ट, किरदारों की गहराई और कहानी की मांग को देखकर मुझे लगा कि जो कास्ट चुनी गई है, वही इस फिल्म के लिए सबसे सही है। इसलिए उसी फैसले के साथ आगे बढ़ा गया। किसी कलाकार को शामिल न करने का मतलब यह नहीं कि उनके काम या योगदान को कम आंका गया है।

बॉर्डर 2 में इस बार नई पीढ़ी के कलाकारों को अहम जिम्मेदारी दी गई है। फिल्म में वरुण धवन, अहान शेही और दिलजीत दोसांझ जैसे कलाकार सेना के जवानों के किरदार में नजर आ रहे हैं। वहीं मोना सिंह, सोनम बाजवा, मेधा राणा और अन्या सिंह जैसी अभिनेत्रियां हैं। यह फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है।

अपारशक्ति खुराना की पहली साउथ फिल्म रूट का फर्स्ट लुक आउट, गंभीर अवतार में आए नजर



हिंदी सिनेमा में अपने अभिनय का लोहा मनवा चुके अभिनेता अपारशक्ति खुराना अब साउथ सिनेमा की तरफ रुख कर रहे हैं। वे जल्द ही अपकमिंग फिल्म रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम में नजर आएंगे। सूर्यप्रताप एस द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपारशक्ति की डेब्यू फिल्म है। इसमें उनके वे तमिल एक्टर गौतम कार्तिक के साथ नजर आएंगे। सोमवार को अपारशक्ति ने अपना लुक इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इस लुक में वे काफी शांत और गंभीर स्वभाव वाले नजर आ रहे हैं। पोस्ट के साथ अभिनेता ने लिखा, रूट की दुनिया से दूसरी झलक दृ यहीं से सब शुरू होता है। साइंस-फिक्शन क्राइम थ्रिलर पर आधारित फिल्म रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम को वेरस प्रोडक्शंस के बैनर तले शेख मुजीब, राजराजन ज्ञानसंबंदम, संजय शंकर और धनिष्दन फर्नांडो ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म की शूटिंग चेन्नई और कई दूसरी जगहों पर बड़े पैमाने पर की गई है। इसमें गौतम राम कार्तिक और अपारशक्ति खुराना के अलावा नारायण, भव्या त्रिखा, वाई.जी. महेंद्र, पावनी रेड्डी, लिंगा और आरजे आनंदी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अपारशक्ति ने करियर में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन दर्शकों के बीच उन्हें पहचान आमिर खान की फिल्म दंगल से मिली थी। इस फिल्म में उन्होंने बबीता और गीता के भाई का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने स्त्री, बद्रीनाथ की दुल्हनिया, लुकाछिपी और हेलो जैसी फिल्मों में दर्शकों का दिल जीता है। अब वे साउथ सिनेमा में कदम रखकर अपनी एक्टिंग को उभार रहे हैं। अब हिंदी सिनेमा के बाद अब फिल्म रूट-रनिंग आउट ऑफ टाइम अपारशक्ति के करियर में एक नया अध्याय साबित हो सकती है, जहां वे हिंदी के अलावा, तमिल दर्शकों को भी खुश करने की तैयारी में हैं। अभिनेता जल्द ही इम्तियाज अली की कॉमेडी ड्रामा फिल्म साइड हीरोज में नजर आएंगे। इस फिल्म में वे अभिषेक बनर्जी और वरुण शर्मा के साथ नजर आएंगे। इस बात की घोषणा खुद इम्तियाज अली ने की थी।

मॉडलिंग के लिए छोड़ी पढ़ाई, एक्टिंग के लिए घर से बगावत, फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं पंजाब की कैटरिना की कहानी

हर बड़े सपने की कीमत होती है और उसे पूरा करने के लिए कई मुश्किलों से गुजरना पड़ता है। सिनेमा की दुनिया में नाम कमाने के लिए पंजाब की कैटरिना को भी कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। जी हां, हम बात कर रहे हैं शहनाज गिल की,



जो आज किसी पहचान की मोहताज नहीं रही। शहनाज ने पढ़ाई छोड़कर मॉडलिंग की राह चुनी, परिवार की मर्जी के खिलाफ जाकर एक्टिंग के लिए घर से भागीं। शुरुआती दिनों में घरवालों से नाता टूटा, अकेलेपन से जूझना पड़ा, लेकिन हिम्मत और लगन ने उन्हें सफलता भी दिलाई। संघर्ष, परिवार से बगावत और मेहनत से मिली सफलता की कहानी शहनाज गिल की है। पंजाबी सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली शहनाज गिल का जन्मदिन 27 जनवरी को है। उनकी जिंदगी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है। मॉडलिंग के चक्कर में पढ़ाई छोड़ना, पिता से अनबन, घर से भागकर एक्ट्रेस बनने की ठानना और फिर बिग बॉस 13 से मिली शोहरत ने उन्हें पंजाब की कैटरिना का खिताब दिलाया। शहनाज गिल का जन्म पंजाब के जालंधर में हुआ। डलहौजी के डलहौजी हिलटॉप स्कूल में पढ़ाई के दौरान उन्हें मॉडलिंग का शौक हो गया। स्कूल के दिनों में ही उन्होंने छोटे-मोटे मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स शुरू कर दिए। स्कूलिंग पूरी होते ही उन्होंने लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में बी.कॉम में दाखिला लिया, लेकिन मॉडलिंग की जिद में पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी। इस फैसले से उनका परिवार उनसे नाराज भी रहा। मॉडलिंग से दूर रखने के लिए शादी की बात करने लगे, लेकिन शहनाज ने मना कर दिया। काम मिलता रहा, लेकिन पिता से अनबन बढ़ती गई। आखिरकार शहनाज ने घर छोड़ दिया और मॉडलिंग, एक्टिंग के लिए मुंबई की राह पकड़ ली। उन्होंने कसम खाई कि फेमस होने के बाद ही घर लौटेंगी। साल 2015 में एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट से उनके करियर की शुरुआत हुई। इसके बाद उन्हें एक म्यूजिक वीडियो में काम मिला। फिर माझे दी जट्टी, पिंड दिया कुड़ियाँ जैसे कई गाने आए। असली पहचान उन्हें गैरी संधू के येह बेबी रेफिक्स से मिली। पंजाबी फिल्मों में भी उन्होंने सत श्री अकाल, काला-शा-काला में काम किया। हिमांशी खुराना के साथ विवादों के बाद वह बिग बॉस 13 में पहुंची, जहां शहनाज ने खुद को पंजाब की कैटरिना कैफ कहकर सबका ध्यान खींचा। उनकी हाजिरजवाबी, टूटी-फूटी इंग्लिश और सिद्धार्थ शुक्ला से बढ़ती नजदीकियां चर्चा में रहीं। शो के दौरान उनके पिता घर पहुंचे और उन्हें सपोर्ट किया। शहनाज शो की विनर तो नहीं बन पाई, मगर सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले प्रतिभागियों में से एक बनीं। बिग बॉस के बाद शहनाज का करियर चमका। उन्होंने सिद्धार्थ शुक्ला के साथ भुला दूंगा, कह गई सॉरी, कुर्ता पजामा, वादा है, शोना शोना जैसे कई हिट म्यूजिक वीडियोज किए। उन्होंने बॉलीवुड में सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान से डेब्यू किया और थैंक यू फॉर कमिंग में भी नजर आईं। फिलहाल शहनाज अपनी पंजाबी रोमांटिक कॉमेडी इक कुड़ी से सुर्खियों में हैं, जिसे दर्शकों से शानदार रिव्यूंस मिल रहा है।

हिंदी सिनेमा के लॉयन : किताबें बेचकर मुंबई पहुंचे, सीमेंट की पाइपलाइन में बिताई कई रातें



हिंदी सिनेमा की दुनिया में कई ऐसे नाम हैं, जिनका सफर खुद एक फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। इन्हीं में एक नाम है अजीत खान, जिन्हें हिंदी सिनेमा का लॉयन कहा जाता है। पर्दे पर रौबदार आवाज और आंखों में खौफ लिए खलनायक के रूप में नजर आने वाले अजीत का जीवन संघर्ष और त्याग से भरा रहा। बहुत कम लोग जानते हैं कि बॉलीवुड का लॉयन बनने के लिए कभी उन्होंने अपनी किताबें तक बेच दी थीं। अजीत का असली नाम हामिद अली खान था। उनका जन्म 27 जनवरी 1922 को हैदराबाद में हुआ था। बचपन से ही उनके मन में फिल्मों को लेकर गहरी रुचि थी। पढ़ाई के साथ-साथ वह अभिनय की दुनिया के सपने देखा करते थे। उस दौर में फिल्मों में जाना आसान नहीं था। उनका इंडस्ट्री में न कोई गॉडफादर था और न ही उनके पास पैसे थे। इसके बावजूद अजीत ने तय कर लिया कि वह मुंबई जाकर सपनों को पूरा करेंगे। जब उन्होंने मुंबई जाने का फैसला किया, तब उनके पास सफर के लिए भी पूरे पैसे नहीं थे। ऐसे हालात में अजीत ने एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपनी पढ़ाई की किताबें बेच दीं, ताकि मुंबई पहुंच सकें। किताबें बेचकर वह मायानगरी पहुंचे, लेकिन यहां मुश्किलें खत्म नहीं हुईं, बल्कि असली संघर्ष यहीं से शुरू हुआ।

मुंबई में शुरुआती दिनों में अजीत को रहने के लिए भी जगह नहीं मिली। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ समय तक उन्हें सीमेंट की पाइपलाइन में रहना पड़ा। बड़े शहर में अकेले, बिना पैसे और पहचान के टिके रहना आसान नहीं था, लेकिन अजीत ने हार नहीं मानी। वह छोटे-मोटे रोल करते रहे और इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने की कोशिश करते रहे।

साल 1946 में अजीत को फिल्म शाह-ए-मिस्त्र में बतौर हीरो काम करने का मौका मिला। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में मुख्य अभिनेता के तौर पर काम किया, लेकिन वह पहचान नहीं मिली, जिसकी उन्हें तलाश थी। इसके बाद, अजीत ने विलेन के किरदारों को निभाना शुरू किया और यहीं से उनके करियर ने नया मोड़ ले लिया।

विलेन के रूप में अजीत ने हिंदी सिनेमा को एक नया अंदाज दिया। वह पर्दे पर शांत, स्टाइलिश और खतरनाक विलेन के रूप में सामने आए। उनके डायलॉग्स, बोलने का तरीका और आंखों की भाषा दर्शकों की दिलों को छू जाती थी। सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है, मोना डार्लिंग और लिली, डोट बी सिली जैसे डायलॉग आज भी लोगों की जुबान पर हैं।

अजीत ने करियर में कई यादगार फिल्मों में काम किया और हीरो को कड़ी टक्कर दी। खास बात यह थी कि विलेन होने के बावजूद उनकी फैन फॉलोइंग किसी हीरो से कम नहीं थी। पर्दे पर उर पैदा करने वाले अजीत असल जिंदगी में बेहद शांत और अनुशासित थे। लंबे फिल्मी करियर के दौरान अजीत को उनके योगदान के लिए सम्मान भी मिला। उन्होंने हिंदी सिनेमा में विलेन की परिभाषा बदल दी और आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों के लिए एक मिसाल बन गए। 22 अक्टूबर 1998 को उनका निधन हो गया, लेकिन उनका रौबदार अंदाज और संघर्ष से भरी कहानी आज भी लोगों को प्रेरित करती है।